भारतीय वदिश मंत्री की मालदीव यात्रा

प्रलिम्सि के लयि:

मालदीव, हदि महासागर क्षेत्र, उच्च प्रभाव सामुदायकि वकिास परयिोजनाएँ (HICDP), 5 मलियिन ट्री प्रोजेक्ट, ग्रेटर माले कनेक्टविटिी प्रोजेक्ट (GMCP), अड्डू रक्लिेमेशन एंड शोर प्रोटेक्शन प्रोजेक्ट, हाइड्रोलॉजी एग्रीमेंट, इंडयिा आउट कैंपेन, लक्षद्वीप, नेबरहुड फर्स्ट पॉलसिी, वज्रयान बौद्ध धर्म, कोवडि-19 महामारी, ऑपरेशन कैक्टस, शपिगि लेन, नेशनल सेंटर ऑफ गुड गवर्नेंस (NCGG)

मेन्स के लयि:

हदि महासागर क्षेत्र में शांत,ि स्थरिता और समृद्धि बनाए रखने में मालदीव का महत्त्व।

स्रोत: द हदिू

भारत के वदिश मंत्री (External Affairs Minister- EAM) एस. जयशंकर ने मालदीव की महत्त्वपूर्ण यात्रा पूरी की।

- उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि मालदीव हदि महासागर क्षेत्र में शांत,ि स्थरिता और समृद्धि बनाए रखने में भारत का एक महत्त्वपूर्ण साझेदार बना हुआ है।

यात्रा के मुख्य परणिाम क्या हैं?

- **जल एवं सीवरेज नेटवर्क:** श्री जयशंकर और मालदीव के वदिश मंत्री ने संयुक्त रूप से मालदीव के 28 द्वीपों में जल एवं सीवरेज नेटवर्क की भारत की लाइन ऑफ क्रेडटि (LoC) (एक प्रकार का 'सुलभ ऋण' जो एक देश की सरकार द्वारा कसिी अन्य देश की सरकार को रयिायती ब्याज दरों पर दयिा जाता है) सहायता प्राप्त परयिोजना का उद्घाटन कयिा।
- **क्षमता नरि्माण:** भारत में अतरिक्ति **1,000 मालदीव के सविलि सेवकों** की क्षमता नरि्माण पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कयि गए।
- **UPI का शुभारंभ:** दोनों देश मालदीव में UPI की शुरूआत पर सहमत हुए।
- **सामुदायकि वकिास परयिोजनाएँ:** मानसकि स्वास्थ्य, वशिेष शक्षिा, स्पीच थेरेपी और स्ट्रीट लाइटगि के क्षेत्रों में भारत द्वारा अनुदान सहायता के तहत छह उच्च प्रभाव सामुदायकि वकिास परयिोजनाओं (HICDP) का संयुक्त रूप से उद्घाटन कयिा गया।
- **'एक पेड़ माँ के नाम' पहल:** भारतीय वदिश मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी की 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल और राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू की 5 मलियिन ट्री परयिोजना के हस्सिे के रूप में **लोनुज़यिाराय पार्क** में एक पौधा लगाया।
- **ग्रेटर मेल कनेक्टविटिी प्रोजेक्ट:** वदिश मंत्री ने भारत द्वारा सहायता प्राप्त ग्रेटर माले कनेक्टविटिी प्रोजेक्ट (GMCP) स्थल का दौरा कयिा और इस प्रमुख वकिास परयिोजना की प्रगति के लयि भारत की प्रतबिद्धता की घोषणा की।
  - यह माले को **वलिगिलिी, गुलहफिाल्हू और थलिाफुशी** के नकिटवर्ती द्वीपों से जोड़ेगा।
- **अड्डू रक्लिेमेशन और शोर प्रोटेक्शन प्रोजेक्ट:** वदिश मंत्री ने अड्डू रक्लिेमेशन एंड शोर प्रोटेक्शन प्रोजेक्ट और **अड्डू डेटोर लकि ब्रजि प्रोजेक्ट** का उद्घाटन कयिा।

वदिश मंत्री की मालदीव यात्रा का क्या महत्त्व है?

- **सामरकि साझेदारी की पुनः पुष्ट:ि** यह यात्रा भारत-मालदीव संबंधों में एक '**महत्त्वपूर्ण उपलब्धि**' है, वशिेषकर राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़ू के साथ, जन्हिें **चीन समर्थक** माना जाता है।
  - यह मालदीव द्वारा जल-वज्ञिान समझौते को रद्द करने जैसे **मुद्दों के बावजूद** मालदीव के साथ अपनी रणनीतकि साझेदारी को मज़बूत करने की **भारत की प्रतबिद्धता** की पुनः पुष्टि करता है।
  - यह मुइज़ू द्वारा **भारतीय सेना की वापसी** के आह्वान तथा चीन के साथ उनके कथति संबंधों के कारण उत्पन्न प्रारंभकि तनाव के बाद द्वपिक्षीय संबंधों में सुधार का संकेत है।
- **द्वपिक्षीय तनाव में कमी:** इस यात्रा से द्वपिक्षीय तनाव में कमी आई है, वशिेष रूप से मालदीव के राष्ट्रपति के इंडयिा आउट अभयिान **और मालदीव के मंत्रयिों द्वारा भारतीय हतिों के वषिय में की गई अपमानजनक टप्पिणयिों के बाद।**

- **आर्थिक और सामाजिक संबंध:** राजनीतिक और सैन्य मतभेदों के बावजूद, दोनों देशों के बीच आर्थिक एवं सामाजिक संबंध **मज़बूत बने हुए** हैं तथा भारत मालदीव में **पर्यटकों का एक प्रमुख स्रोत है।**
  - यह यात्रा इन संबंधों को और मज़बूत कर सकती है, जिससे व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में निरंतर सहयोग सुनिश्चित होगा।
- **क्षेत्रीय स्थिरता:** चूँकि मालदीव श्रीलंका की तरह आर्थिक चुनौतियों और संभावित ऋण संकटों का सामना कर रहा है, इसलिये भारत का समर्थन क्षेत्रीय स्थिरता प्रदान कर सकता है। यह भारत को **आर्थिक संकट** के दौरान एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित करता है जो क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने हेतु आवश्यक है।
- **बुनियादी अवसरंचना और विकास परियोजनाएँ:** भारत द्वारा वित्त पोषित मालदीव के 28 द्वीपों पर जलापूर्ति और सीवरेज सुविधाओं का हस्तांतरण देश के विकास के लिये भारत के सतत् समर्थन को दर्शाता है।
  - ये परियोजनाएँ स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देंगी और **मालदीव की समृद्धि** में भारत की भूमिका को उजागर करेंगी तथा उनके द्विपक्षीय संबंधों में महत्त्वपूर्ण उपलब्धि साबित होंगी।
- **कूटनीतिक संकेत:** यह यात्रा भारत-मालदीव संबंधों की मज़बूती का संकेत देती है, जो नेतृत्व परिवर्तन और चुनौतियों के बावजूद सहयोग के लिये **आपसी प्रतिबद्धता** को उजागर करती है। यह दोनों देशों के बीच भविष्य के लिये साझा दृष्टिकोण को दर्शाता है।

1000 मालदीव सिविल सेवा अधिकारियों को प्रशिक्षण

- भारत और मालदीव ने **वर्ष 2024-2029** की अवधि के दौरान **1000 मालदीव सिविल सेवा अधिकारियों** की क्षमता निर्माण के लिये समझौता ज्ञापन को नवीनीकृत किया।
  - **8 जून 2019** को **राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (NCGG, भारत)** और **मालदीव सिविल सेवा आयोग** के बीच 1,000 मालदीव के सिविल सेवकों को प्रशिक्षण देने के लिये एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए।
- कार्यक्रम में **भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (ACC)** और मालदीव के सूचना आयोग कार्यालय (ICOM) के लिये प्रशिक्षण सहित क्षेत्रीय प्रशासन में क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- प्रशिक्षुओं में मालदीव के स्थायी सचिव, महासचिव और उच्चस्तरीय प्रतिनिधि शामिल थे।
- नवीनीकृत साझेदारी का उद्देश्य सार्वजनिक नीति, शासन और क्षेत्रीय प्रशासन में मालदीव के सिविल सेवकों की क्षमताओं को और बढ़ाना है।
- विदेश मंत्रालय के अंतर्गत **राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (NCGG)** ने बांग्लादेश, तंज़ानिया, गाम्बिया, मालदीव, श्रीलंका और कंबोडिया सहित कई देशों के **सिविल सेवकों के लिये क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किये हैं।**
  - **NCGG वैश्विक स्तर पर सार्वजनिक नीति और शासन पर ज्ञान के आदान-प्रदान तथा सहयोग को बढ़ावा देने हेतु समर्पित है।**

भारत और मालदीव एक दूसरे के लिये किस प्रकार महत्त्वपूर्ण हैं?

- **भारत के लिये मालदीव का महत्त्व:**
  - **सामरिक स्थिति:** भारत के दक्षिण में स्थित मालदीव हिंद महासागर में अत्यधिक **सामरिक महत्त्व** रखता है तथा **अरब सागर** और उससे आगे के लिये प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है।
    - इससे भारत को समुद्री यातायात की निगरानी करने और क्षेत्रीय सुरक्षा बढ़ाने में सहायता मिलेगी।
  - **सांस्कृतिक संबंध:** भारत और मालदीव के बीच सदियों पुराना गहरा सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक संबंध है। 12वीं सदी के पहले हिस्से तक **मालदीव के द्वीपों में बौद्ध धर्म प्रमुख धर्म था।**
    - यहाँ **वज्रयान बौद्ध धर्म** का एक शिलालेख है जो प्राचीन काल में मालदीव में मौजूद था।
  - **क्षेत्रीय स्थिरता:** एक स्थिर और **समृद्ध मालदीव भारत की "नेबरहुड फर्स्ट" नीति के अनुरूप है** जो हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देता है।
- **मालदीव के लिये भारत का महत्त्व:**
  - **आवश्यक आपूर्ति:** भारत चावल, मसाले, फल, सब्ज़ियाँ और दवाइयों सहित **रोज़मर्रा की ज़रूरतों की वस्तुओं** का एक महत्त्वपूर्ण आपूर्तिकर्त्ता है। भारत **सीमेंट और पत्थर जैसी सामग्री** प्रदान करके मालदीव के बुनियादी अवसरंचना के निर्माण में भी सहायता करता है।
  - **शिक्षा:** भारत **मालदीव के छात्रों के लिये प्राथमिक शिक्षा प्रदाता के रूप में कार्य करता है,** जो भारतीय संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं, जिसमें योग्य छात्रों के लिये छात्रवृत्ति भी शामिल है।
  - **आपदा सहायता:** भारत **सुनामी और पेयजल की कमी जैसे संकटों** के दौरान सहायता का एक निरंतर स्रोत रहा है।
    - **कोविड-19 महामारी** के दौरान आवश्यक वस्तुओं और सहायता का प्रावधान एक **विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत की भूमिका को दर्शाता है।**
  - **सुरक्षा प्रदाता:** भारत का इतिहास रहा है कि उसने **वर्ष 1988 में ऑपरेशन कैक्टस** के माध्यम से तख्तापलट के प्रयास के दौरान सुरक्षा सहायता प्रदान की थी तथा मालदीव की सुरक्षा के लिये संयुक्त नौसैनिक अभ्यास भी किया था।
    - संयुक्त अभ्यासों में '**एकुवेरिन**', **'दोस्ती' और 'एकता' शामिल हैं।**
  - **मालदीव पर्यटन में भारत का प्रभुत्व: कोविड-19 महामारी** के बाद से भारतीय पर्यटक मालदीव के लिये प्रमुख बाज़ार स्रोत बन गए हैं।
    - वर्ष 2023 में, कुल पर्यटकों के आगमन में उनकी हिस्सेदारी 11.2% थी, जो **18.42 लाख थी।**

भारत-मालदीव संबंधों से जुड़ी प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं?

- **इंडिया आउट अभियान:** इस अभियान में **मालदीव में भारत की उपस्थिति** को **प्रभावी रूप में चित्रित** किया गया, जिससे यह धारणा बनी कि भारत **मालदीव की संप्रभुता** में हस्तक्षेप कर रहा है।
  - भारत को मालदीव को उपहार स्वरूप दिये गए तीन **विमानन प्लेटफॉर्मों** पर तैनात भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस बुलाने के लिये मज़बूर होना पड़ा।
- **पर्यटन पर दबाव:** भारतीय नेताओं और भारतीय क्षेत्र **(लक्षद्वीप)** के विषय में **गैर-कूटनीतिक टिप्पणियों** को लेकर उत्पन्न कूटनीतिक विवाद के बाद मालदीव का पर्यटन क्षेत्र जाँच के दायरे में आ गया।
  - इससे लोगों में आक्रोश के कारण सोशल मीडिया पर "**मालदीव का बहिष्कार**" का ट्रेंड शुरू हो गया।
- **मालदीव में चीन का बढ़ता प्रभाव:** मालदीव में चीनी लोगों का प्रभाव तेज़ी से बढ़ रहा है। प्रमुख शिपिंग मार्गों और भारत से मालदीव की निकटता इसे चीन के लिये रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण बनाती है, जिससे **संभावित रूप से चीन की गहरी भागीदारी में रुचि बढ़ सकती है।**
  - इससे भारत में बेचैनी उत्पन्न हुई है और इससे क्षेत्रीय भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्द्धा हो सकती है।

निष्कर्ष

भारत और मालदीव के बीच विकसित होते रिश्ते आपसी हितों और साझा लक्ष्यों पर आधारित रणनीतिक साझेदारी को रेखांकित करते हैं। चुनौतियों और नेतृत्व में बदलाव के बावजूद, दोनों देश सुरक्षा, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने हेतु प्रतिबद्ध हैं। साथ मिलकर, दोनों देश एक मज़बूत गठबंधन को बढ़ावा दे सकते हैं जो न केवल उनके द्विपक्षीय संबंधों को लाभ पहुँचाएगा बल्कि एक स्थिर और समृद्ध हिंद महासागर क्षेत्र में भी योगदान देगा।

अधिक पढ़ें: [भारत मालदीव संबंध]

दृष्टि मेन्स प्रश्न:

प्रश्न: स्थिर और समृद्ध हिंद महासागर क्षेत्र में मालदीव की भूमिका पर चर्चा कीजिये। भारत और मालदीव के बीच स्वस्थ संबंध एक दूसरे के लिये कैसे लाभकारी हो सकते हैं?

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

_??????:_

प्रश्न. 'मोतियों की माला' से आप क्या समझते हैं? यह भारत को कैसे प्रभावित करती है? इसका मुकाबला करने के लिये भारत द्वारा उठाए गए कदमों की संक्षेप में रूपरेखा प्रस्तुत कीजिये। (2013)

प्रश्न. पिछले दो वर्षों के दौरान मालदीव में राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा कीजिये। क्या उन्हें भारत के लिये चिंता का कारण होना चाहिये? (2013)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-eam-visit-to-maldives